

न्यायालय पूर्व सिविल अपील नगर अंचल

सिविल अपील वाद सं. 11/15-16

शमशेर सिंह मेहता वीरह ————— अपीलाधीन
यनाम

गुलाब साव वीरह ————— प्रत्याधीन
आदेश

26-12-17

अभिलेख अंतिम निस्तार हेतु उपस्थापित ।
अपीलाधीन की ओर से अधिवक्ता के माध्यम
से अंचल अधिकारी नगर अंचल के सिविल वाद
सं. 36/15-16 में दिनांक 30.10.2015 को पारित
आदेश के विरुद्ध अपील दाखल किया गया
है अपील आवेदन-पत्र समय सीमा के बाद
दाखल किया गया है अपील आवेदन-पत्र विलम्ब
दूर कटने हेतु धारा 5 के तहत आवेदन-पत्र
दिखा गया है अपील आवेदन पत्र पर किश
अधिवक्ता को सूना । अपील आवेदन-पत्र
अंगीकृत करने हुए संबंधित पक्षकारों को
नोटिस निर्गत किया गया एवं अंचल अधिकारी
से मूल अभिलेख की मांग की गई ।

उभय पक्ष उपस्थित एवं निम्न न्यायालय
से मूल अभिलेख प्राप्त ।

अपीलाधीन के किश अधिवक्ता का
कथन है कि प्रत्याधीन के द्वारा जिला जज के पारित
आदेश के आलोक में अपीलाधीन के नाम से

चल रहे मांग की भूमि का जमावंदी विपक्षी के नाम से
कर दिया गया है जबकि अपीलार्थीगण प्रत्यक्षी के
हितों के लिए ही भूमि क्रय किए हैं जिसका नामांतरण
होकर मांग चल रहा है प्रत्यक्षी के द्वारा तहसील को
दुपार कर ~~कर~~ मांग कायम करा लिया गया।
जिला जज गढ़वा के पारित आदेश के विरुद्ध
माननीय उच्च न्यायालय में रिपीजन दाखल किया गया है
अंचल अधिकारी के द्वारा राजस्व कर्मचारी एवं अंचल
मिनीस्टर के प्रतिवेदन पर ही मांग कायम कर दिया गया
जबकि सभी फरीक को न तो नोटिस निर्गत किया और
न तो सूब से चल रहे मांग पंजी के मांगवाहियों को ही
नोटिस निर्गत किया गया। मात्र प्रथमगत भूमि का
गुणावलाप वीरह के नाम से कायम कर दिया।
अंचल अधिकारी, नगर उंचारी के द्वारा पारित आदेश
में न तो आम इस्तहार निर्गत किया और न अन्य फरीक
को सूचना दी गई। सिर्फ बिना लिखि के ही आवेदन-पत्र
लेकर एक ही लिखि में मांग कायम की कारवाही सम्पन्न
कर दी गई। जो सर्वथा अनुचित एवं न्यायलंगत
नहीं है।

ऐसी परिस्थिति में अंचल अधिकारी, नगर उंचारी
के द्वारा विविध वाद सं. 36/15-16 में दिनांक 20.10.15
को पारित आदेश निरस्त करते हुए अपील आवेदन
पत्र स्वीकार की जाए। अपीलार्थीगण अपने दावे
के लक्षण में निम्नांकित कागजात दाखिल किए हैं।

- (1) केवाला सं. 1145 दिनांक 5.3.80 — 5 फर्द
- (2) केवाला सं. 1330 दिनांक 23.1.1971 — 5 फर्द
- (3) केवाला सं. 6821 दिनांक 1.9.87 — 5 फर्द
- (4) केवाला सं. 6090 दिनांक 6.8.86 — 3 फर्द
- (5) केवाला सं. 263 दिनांक 9.1.70 — 4 फर्द
- (6) केवाला सं. 2102 दिनांक 30.10.72 — 4 फर्द

1

2

- (7) केवाला सं. एववाला वाद सं 46 दि. 19.4.86 — 8 फर्द
 - (8) विविध वाद सं. 11/2015 का आदेश — 9 फर्द
 - (9) उच्च न्यायालय रांची का नोटिस — 1 फर्द
 - (10) वर्तमान रक्तिमान वैजनाथ साव — 1 फर्द
 - (11) वर्तमान रक्तिमान कौसू साव — 2 फर्द
 - (12) वर्तमान रक्तिमान कम्प्युटराईज वैजनाथ सावको — 2 फर्द
 - (13) विहार लैण्ड रिफॉर्म एक्ट 1950 का रिटन — 2 फर्द
 - (14) सरकार माल गुजारी रसीद नोमें वैजनाथ साव — 2 फर्द
 - (15) मिलावती देवी के पक्ष में केवाला की दाया — 8 फर्द
 - (16) जगन्नाथ का केवाला की दाया प्रति — 4 फर्द
- /
- 63 फर्द

प्रत्यार्थी अनुपस्थित । तत्पश्चात् एक पक्षीय सुनवाई की गई ।

अपीलाधी के विना अधिवक्ता का कथन है कि प्रश्नगत भूमि के अन्य हिस्सों एवं खरीदकों को विना सूचना दिए अंचल अधिकारी के द्वारा प्रत्यार्थी के नाम एक ही लिखि में जमावंदी जिला जज का आदेश का हवाला देकर कट दिया गया है, जबकि इसके विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय में अपील दाखल किया गया है। जबकि राजस्व कागजातों एवं अंचल अधिकारी से प्राप्त अभिलेख के अवलोकन से विदित होता है कि अभिलेख में किसी पक्षकों एवं हिस्सों को नोटिस निर्गत नहीं किया है। सिर्फ अंचल निरीक्षक एवं राजस्व अधिकारी के प्रतिकेदम को आधार मानकर जमावंदी कायम किया गया है। जबकि अपीलाधी का जमावंदी पूर्व से कायम है, जिसे विना सूचना दिए कट कर दिया गया । प्रत्यार्थी इस में उपस्थित होकर पेंची

करना दोड़ दिए। जिससे विवाद होता है कि
प्रत्यावर्तीगत को इस वाद से कोई अभिरूची नहीं है।
■ वाद-वाद समाप्त के कवजूद अनुपस्थित।

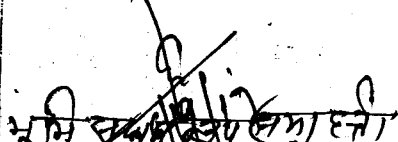
प्रधान दफ्तरी एवं अंचल अधिकारी के
अभिलेख के अपलोकनों परान्त विविध वाद सं-
36/15-16 में दिनांक 30.10.2015 को पारित आदेश
में किसी भी फटीक एवं जमावदी धारी ऐपत को
नोटिस निर्गत नहीं किया गया है, मात्र एक
आवेदन पत्र पर किना लिखि अंकित पर एक ही
निधि में आदेश पारित किया गया है। जिससे
स्पष्ट होता है कि राजस्व अभिलेख प्रक्रिया का
पालन नहीं किया गया है।

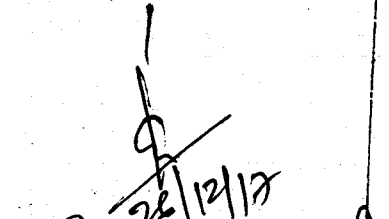
अतः अंचल अधिकारी, नगर उंचरी द्वारा
विविध वाद सं 36/15-16 में दिनांक 30.10.15 को
पारित निस्त कतेर हुए अपील आवेदन पत्र
स्वीकृत किया जाता है।

आदेश की प्रति अनुपालन हेतु अंचल
अधिकारी, नगर उंचरी को भेजे।

इसी के साथ वाद की कारवाई समाप्त की
जाती है।

लेखापत्र एवं संबोधित।


भूमि सुधार उपलपाएनी
नगर उंचरी।


भूमि सुधार उपलपाएनी
नगर उंचरी।